अमेरिकी राजनीति में राष्ट्रपति के जीवनसाथी की महत्वपूर्ण भूमिका रहती आई है।

फ़र्स्ट लेडीज़

केली ब्रांक

अमेरिकी सरकार के ऊंचे प्रोफ़ाइल वाले पदों में यह एक ऐसा स्थान है जिसमें कोई आधिकारिक ड्यूटी नहीं, कोई वेतन नहीं और जो पारिवारिक रिश्तों के आधार पर मिलता है। लेकिन अमेरिका की फ़र्स्ट लेडी होना एक ऐसा काम है जो असीमित संभावनाओं से भरा है।

राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी. रूज़्वेल्ट की पत्नी एलेनॉर रूज़वेल्ट अपने पति के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान समाचारपत्र में एक दैनिक स्तम्भ लिखने के अलावा एक साप्ताहिक रेडियो कार्यक्रम की संचालक थीं। क्लॉडिया लेडीबर्ड जॉनसॅन पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहन देती थीं। वर्तमान फ़र्स्ट लेडी लॉरा बुश स्त्री अधिकारों की पक्षधर हैं और पढ़ने से जुड़े कार्यक्रमों को प्रोत्साहन देती हैं।

व्हाइट हाउस में हिलैरी क्लिंटन के अनुभव ने उनके नाम को लोकप्रिय बनाया और उनके लिए सेनेट की सदस्यता और किसी राष्ट्रपति के जीवनसाथी के पहली बार राष्ट्रपति पद की की उम्मीदवारी के अभियान में सहायक सिद्ध हुआ।

इन सभी ने फ़र्स्ट लेडी की भूमिका में अपना खास अंदाज़ और उत्साह दिखाया। 1972 में एक पत्रकार वार्ता के दौरान तत्कालीन राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन की पत्नी पैट्रिसिया निक्सन ने अमेरिका में फ़र्स्ट लेडी के पद को ''संसार की सबसे कठिन, बिना वेतन वाली नौकरी'' बताया था। अमेरिका में फ़र्स्ट लेडी की भूमिका बिना किसी निर्वाचन या वेतन के होती है और कोई संवैधानिक ज़िम्मेदारी भी नहीं होती लेकिन व्हाइट हाउस की मेज़बान की भूमिका में अमेरिका की फ़र्स्ट लेडी अत्यन्त प्रभावशाली होती हैं।

न्यू जर्सी की राइडर यूनिवर्सिटी में कम्युनिकेशन की प्रोफ़ेसर और फ़र्स्ट लेडीज़ के इतिहास की विशेषज्ञ मायरा गटिन के अनुसार अमेरिका की फ़र्स्ट लेडीज़ राजनीतिक हस्तियां होती हैं, ''अगर वे कहीं जाती हैं, किसी विचार का समर्थन करती हैं और व्हाइट हाउस के मंच से कहती हैं कि 'मैं इस के बारे में सोच-विचार करती हूं,' तो उस मुद्दे पर लोग काफी ध्यान देते हैं। संसार की और फ़र्स्ट लेडीज़ के साथ इस तह का व्यवहार नहीं होता।''

फ़र्स्ट लेडी बनने की प्रतीक्षा

अमेरिका में चुनाव अभियान के दौरान राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी की पत्नी पर काफी ध्यान दिया जाता है। राष्ट्रपति पद के रिपब्लिकन उम्मीदवार जॉन मैक्केन की पत्नी सिंडी मैक्केन और डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बाराक ओबामा की पत्नी मिशेल ओबामा इस अनुभव से गुजर रही हैं।

किसी प्रत्याशी को मत देते हुए मतदाता अन्य मुद्दों के अलावा उसके जीवनसाथी पर भी ध्यान देते हैं। राष्ट्रपतियों के परिवारों के बारे में पुस्तक लिखने वाले और ओहायो में नेशनल फ़र्स्ट लेडीज़ लाइब्रेरी में

ऊपर बाएं: पूर्ववर्ती फ़र्स्ट लेडीज़ (बाएं से) क्लॉडिया (लेडी बर्ड) जॉनसन, पैट्रिसिया निक्सन, नैन्सी रीगन और बारबरा बुश (खड़ी हुईं), रोज़लिन कार्टर और बेट्टी फ़ोर्ड वर्ष 1991 में रोनाल्ड रीगन प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी के उद्घाटन के अवसर पर।
ऊपर: वर्ष 2000 में फ़र्स्ट लेडी बनने जा रहीं लॉरॉ बुश (बाएं) व्हाइट हाउस में हिलैरी क्लिंटन के साथ।

इतिहासकार कार्ल स्फ़राजा एंथनी कहते हैं, ''प्रत्याशियों की पत्नियों से परिवार में उसकी भूमिका के बारे में अन्दाज़ा लगाया जाता है, यूं कहिए कि वे अपने पतियों के चरित्र की झलक उपलब्ध करवाती हैं।''

वह बताते हैं कि पतियों के चरित्र का प्रमाणपत्र होने के अलावा प्रत्याशी पत्नियां अपने पतियों को प्रोत्साहन और मार्गदर्शन भी देती हैं। ''इतिहास बताता है कि वे अपने पतियों को बुद्धिमत्तापूर्ण, सोच-विचार से भरपूर और अक्सर रुखाई की हद तक ईमानदार सलाहें देती हैं।'' चुनाव अभियान मतदाताओं को भावी फ़र्स्ट लेडी की झलक दिखा देते हैं।

मिशेल ओबामा

गटिन मानती हैं कि मिशेल ओबामा एक एक्टिविस्ट की तरह सक्रिय फ़र्स्ट लेडी होंगी जो नीति सम्बन्धी फैसलों में शामिल रहेंगी। वह कहती हैं,''वह निश्चित तौर पर ऐसी लगती हैं जो व्हाइट हाउस के मंच का पूरा लाभ उठाएंगी। वह तेज़ और बोलचाल में निपुण होने के साथ ही प्रबन्धन का व्यावसायिक अनुभव रखती हैं।''

44 वर्षीया ओबामा शिकागो की रहने वाली हैं। उन्होंने स्नातक की उपाधि न्यू जर्सी की प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी और कानून की उपाधि मैसाच्यूसेट्स की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से पाई। शिकागो की एक लॉ फर्म में काम करते हुए उनकी मुलाकात बाराक ओबामा से हुई। 1992 में उन्होंने विवाह कर लिया।

जन सेवा के क्षेत्र में काम करने के लिए कॉर्पोरेट जगत छोड़ने के बाद मिशेल ओबामा शिकागो प्रशासन में कई पदों पर रहीं। उन्होंने युवा लोगों को सार्वजनिक क्षेत्र में कार्य करने को प्रेरित करने के लिए पब्लिक एलाइज़ शिकागो नाम के संगठन की स्थापना में भी सहायता की है।

हाल ही तक वह इलिनॉय में यूनिवर्सिटी ऑफ़ शिकागो मेडिकल सेंटर के सामुदायिक और बाहरी मामलों की वाइस प्रेसिडेंट थीं। एंथनी कहते हैं, ''अस्पताल प्रशासक के रूप में उनका अनुभव उन्हें अमेरिका में स्वास्थ्य देखभाल की व्यवाहारिकता और वास्तविकता से परिचित करवा चुका है।''

ज़्यादा जानकारी के लिए:

नेशनल फ़र्स्ट लेडीज लाइब्रेरी, ओहायो

http://www.firstladies.org/index.htm

फ़र्स्ट लेडीज गैलरी

http://www.whitehouse.gov/history/firstladies/

सिंडी मैक्केन

गटिन कहती हैं कि सिंडी मैक्केन के अनुभव भी फ़र्स्ट लेडी की उनकी भूमिका को आसान बनाएंगे लेकिन उन्हें उनके ओबामा जैसी एक्टिविस्ट होने की

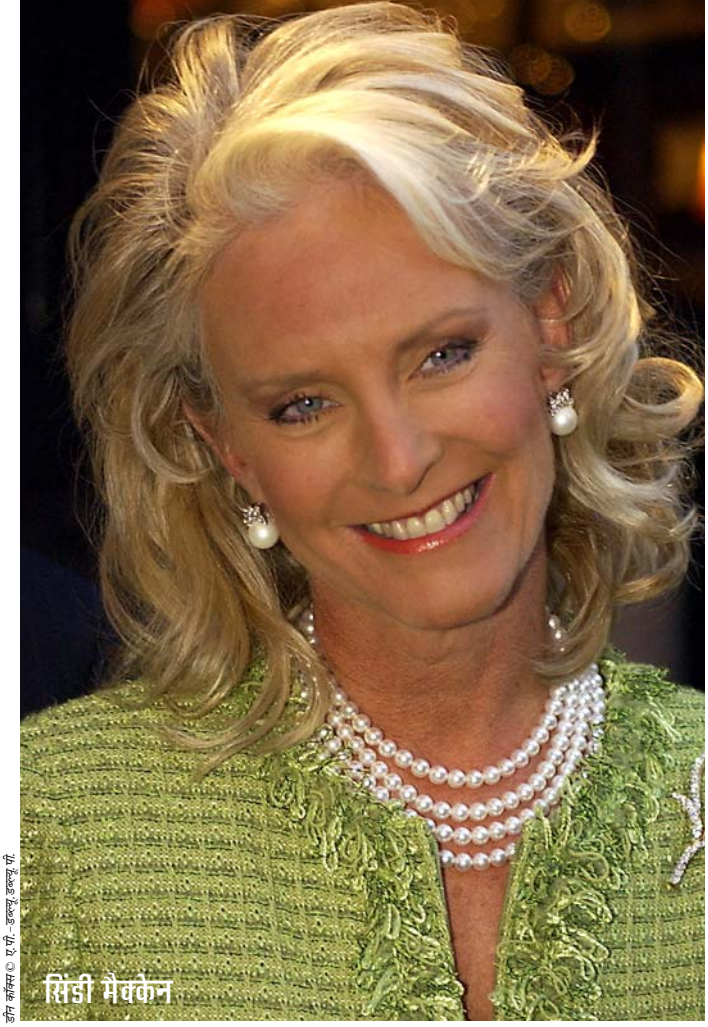

ग्रेग मंथर्न © यू.एस.-इन्फो.गव.

मेरी मैथ्यू © यू.एस.-इन्फो.गव.

फ्रिक्स © यू.एस.-इन्फो.गव.

ब्रूनो मिरांडा © यू.एस.-इन्फो.गव.

ऊपर: वियतनाम के दा खोआ टिन्ह खान होआ अस्पताल में एक बच्चे का हालचाल पूछती सिंडी मैक्केन।
ऊपर दाएं: सान जुआन, प्यूर्टो रिको में बच्चों के सान जोर्ज अस्पताल में एक बीमार बच्चे के साथ मिशेल ओबामा।

उम्मीद नहीं है। वह कहती हैं, ''उनके पास अनुभव है लेकिन मुझे वह नीतिगत मसलों में हस्तक्षेप करती नहीं दिखतीं। इसके बजाय 54 वर्षीया सिंडी मैक्केन मानवीय मुद्दों, सम्भवत: बच्चों की स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय रहेंगी।'' एंथनी कहते हैं, ''उन्हें अंतरराष्ट्रीय धर्मार्थ संस्थाओं में काम करने का, अमेरिका की तुलना में बहुत पिछड़े देशों को देखने का अनुभव है जो उन्हें संसार की वास्तविकता से परिचित करवाता है।''

यूनिवर्सिटी ऑफ़ सदर्न कैलिफोर्निया से शिक्षा में स्नातक और विशेष शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त सिंडी मैक्केन अपने गृह राज्य एरिज़ोना में विकलांग बच्चों को पढ़ा चुकी हैं। हवाई में छुट्टी बिताते हुए जॉन मैक्केन से हुई मुलाकात की परिणति 1980 में विवाह में हुई।

वर्ष 1988 में उन्होंने मानवीय आधार पर सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से चिकित्साकर्मियों की यात्राओं का आयोजन करने वाली गैरलाभसर्जक संस्था अमेरिकन वॉलंटरी मेडिकल टीम की स्थापना की। वह हालो, ऑपरेशन स्माइल और केयर सहित कई अंतर्राष्ट्रीय गैरसरकारी संगठनों के साथ काम कर चुकी हैं और फिलहाल अपने परिवार के बीयर वितरण व्यवसाय हेंस्ली एंड कम्पनी के बोर्ड की अध्यक्ष हैं।

फ़र्स्ट लेडी कोई भी बने, संभावना यही हैं कि राष्ट्रपति की पत्नी एक ज़रूरी जिम्मेदारी निभाती रहेंगी: अपने पति को संतुलित राय बनाने में मदद करेंगीं।

गटिन कहती हैं,''फ़र्स्ट लेडी ऐसी हस्ती है जो राष्ट्रपति से कह सकती है, 'देखो, तुम एकदम बेतुकी बात कर रहे हो और बेहतर हो कि तुम मुंह बन्द ही रखो।' व्हाइट हाउस जैसी जगह में ऐसी राजनीति निरपेक्ष, विवेकपूर्ण सलाह मिल पाना बहुत मूल्यवान है।''

केली ब्रांक *America.gov की लेखिका हैं।*